विषयवस्तु

मौद्रिक नीति वक्तव्य 2012-13

मौद्रिक नीति 2012-13 की दूसरी तिमाही समीक्षा
दुव्वुरी सुब्बाराव, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक 1985

समष्टि आर्थिक और मौद्रिक गतिविधियां
द्वितीय तिमाही की समीक्षा 2012-13 2005

भाषण

स्वागत भाषण
दुव्वुरी सुब्बाराव 2059

वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए एसएमई की क्षमताएं बढ़ाना
के.सी.चक्रवर्ती 2061

सामाजिक बैंकिंग और वित्त - समावेशन में अवसर
के.सी.चक्रवर्ती 2069

उभरते बाजारों की क्षमता को मापना - क्या सुदृढ़ वित्तीय स्थिरता से वृद्धि हासिल की जा सकती है
आनंद सिन्हा 2075

वित्तीय विनियामकीय सुधार: आवश्यकता से कम या अधिक तो नहीं हैं?
आनंद सिन्हा 2083

कर्ज बाजार के विकास में राज्य की भूमिका
हारुन आर खान 2085

भारतीय अर्थव्यवस्था में आशा की किरण
हारुन आर खान 2101

कंपनी ऋण बाजार: विकास, मुद्दे और चुनौतियां
हारुन आर खान 2109

मुद्रा और ब्याज दर जोखिम का प्रबंधन - बैंक तथा कंपनियों के लिए नई चुनौतियां
हारुन आर खान 2119

टेक्नो बैंकिंग - संभावनाएं और चुनौतियां
जी. पद्मनाभन 2131

वित्तीय क्षेत्र में प्रौद्योगिकी-कुछ मुद्दे और कुछ चिंताएं
जी. पद्मनाभन 2139

विषयवस्तु

लेख

2012-13 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान भारत के भुगतान-संतुलन की गतिविधियां 2147

भारत का बाह्य ऋण : प्रवृत्ति, नीतिगत उपाय और विभिन्न देशों के साथ तुलना 2169

तिमाही औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण: जुलाई-सितंबर 2012 (59वां दौर) 2189

आदेश बहियों, इन्वेंटरियों और क्षमता उपयोग का तिमाही सर्वेक्षण: अप्रैल-जून 2012 (18 वां दौर) 2203

परिवारों का मुद्रास्फीति प्रत्याशा सर्वेक्षण: सितम्बर 2012 (29वां दौर) 2207

उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण: सितम्बर 2012 (दौर 10) 2217

अन्य मदें

प्रेस प्रकाशनी 2225

विनियामक और अन्य उपाय 2231

विदेशी मुद्रा गतिविधियां 2235

वर्तमान सांख्यिकी

प्रकाशन

आर.बी.आई. वेबसाइट

अनुपूरक

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट: 2011-12